आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 178 | उज्जैन, बुधवार 21 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

लालबाग के ऐतिहासिक स्थल के सौंदर्यीकरण व पर्यटन संवर्धन हेतु 24 महीने में होगा पुनर्निर्माण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

47.59 करोड़ की लागत से लालबाग पैलेस का संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में होगा विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होल्कर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने 47.59 करोड़ रूपये लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के प्रयास कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए बैठक कक्ष, क्राउन हॉल, बैंकेट हॉल, दरबार हॉल, किंग्स ऑफिस, मंत्रणा कक्ष, पश्चिमी बैठक कक्ष, भारतीय भोजन कक्ष पुरुष एवं महिला, बॉल रूम आदि की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। आर्किटेक्ट श्री पुनीत सोहल द्वारा लालबाग पैलेस परियोजना का प्रजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उन्होंने लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास के लिए किए गए कार्य एवं आगामी कार्य योजना से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वाकांक्षी कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना व्यक्त की। यह कार्य लालबाग के समृद्ध इतिहास और उसकी पुनः प्रतिष्ठा के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उद्यान और होल्कर्स की विरासत को जीवंत रखने, उद्यान को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि स्थल के रूप में विकसित करने एवं ऐतिहासिक अवधारणा पर आधारित रचना अनुसार पुनःविकसित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाएगा। इसके लिए 47.59 करोड़ की स्वीकृति सिंहस्थ मद अंतर्गत प्राप्त हुई है। यह कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। कार्य की समय सीमा 24 माहअर्थात मई 2027 निर्धारित है। इसमें बाउंड्री वाल, पाथवे, पार्किंग, सॉफ्ट स्केपिंग एवं सिंचाई, जनसुविधा, टिकिट काउंटर, उद्यान कैफे, मुक्ताकाश मंच, मंडप,रानी अहिल्या बाई आत्मरक्षा केंद्र (बालिकाओं के लिए), वनस्पति रक्षा ग्रह, बाहरी विद्युतीकरण, सजावटी प्रकाश खंभे, बगीचे के लिए पाइप संगीत प्रणाली, सीसीटीवी आदि का कार्य किया जाएगा।

एक बार फिर पैर पसार रहा कोरोना, केरल और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के कई देशों में एक बार फिर कोरोना पैर पसार रहा है। भारत में भी इसे लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्वास्थ्य एजेंसियों के विशेषज्ञों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार अलर्ट मोड पर है।

हालांकि अधिकारियों की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और इसके लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। डेटा के मुताबिक, भारत में 12 मई से अब तक कोविड-19 वायरस के केवल 164 मामले सामने आए हैं।

नए वैरिएंट ने मचाया कहर - इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर केरल का नाम है। केरल में इस वक्त कोविड-19 के सबसे ज्यादा मरीज है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, केरल में इस वक्त कोरोना के 69 मामले एक्टिव हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां 44 मामले हैं।

इसके अलावा तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 8, गुजरात में 6 और दिल्ली में करीब 3 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में भी एक-एक मामले है। एशिया में कोरोना के मामले बढ़ने की वजह वायरस का नया वैरिएंट है।

कौन थे मशहूर वैज्ञानिक डॉ. श्रीनिवासन? होमी भाभा के साथ परमाणु प्रोग्राम की संभाली कमान, 95 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के परमाणु कार्यक्रमों को दिशा प्रदान करने वाले वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.एम.आर.श्रीनिवासन का मंगलवार को 95 वर्ष की उम्र में ऊटी में निधन हो गया। उन्हें भारत के परमाणु कार्यक्रमों के जनक कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक डा.होमी जहांगीर भाभा के साथ काम करने का अवसर मिला था। डॉ. भाभा के साथ डा. श्रीनिवासन ने भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर 'अप्सरा' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने अगस्त 1956 में पूर्णता प्राप्त कर ली थी।

होमी भाभा की योजनाओं को किया साकार- 1955 में जब डा. एम.आर श्रीनिवासन मुंबई स्थित भारतीय परमाणु प्रतिष्ठान में शामिल हुए, तब उनकी उम्र सिर्फ 25 वर्ष थी। उसी दौरान उन्हें भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक महान होमी जहांगीर भाभा के साथ काम करने का मौका मिला और वह भाभा की टीम का हिस्सा बने। जब 24 जनवरी 1966 को डा. भाभा का आल्प्स पर्वत श्रृंखला के बीच एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया, उससे पहले उन्होंने आने वाले दशकों में क्या करना है, इसकी योजना बना ली थी।

दो साल में 17 आतंकियों का खात्मा, पाकिस्तान में एक-एक करके ठिकाने लग रहे भारत के Most Wanted टेररिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा का एक और आतंकी मारा गया। रविवार को साल 2006 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हेडक्वार्टर पर हुए आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता और लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी रजाउल्लाह निजामी उर्फ अबू सैफुल्ला मारा गया। इसके एक दिन बाद लश्कर-ए-तैयबा का एक और प्रमुख आतंकवादी अब्दुल वाहिद कुंभो भी मारा गया। दोनों को ही पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली से भूनकर मार डाला।

पाकिस्तान में वांटेड आतंकवादियों के मारे जाने की यह पहली हत्या नहीं है। इससे पहले भी बीते दो साल में 16 नामी आतंकवादियों मारा गया है। गौर करने वाली बात यह है कि अब्दुल वाहिद कुंभो और अबू सैफुल्ला समेत सभी तक 17 आतंकवादियों को एक ही तरह से मार गिराया गया है। इन सभी हत्याकांड में हमलावर अज्ञात थे और सभी गोलियों से भूना गया है।

आतंकी रजाउल्लाह निजामी उर्फ अबू सैफुल्ला की बात से भारत में चर्चा हो रही है कि एक ही तरीके से पाकिस्तान में आतंकवादियों को सफाया आखिर कौन कर रहा है, अभी उस शख्स और ग्रुप के बारे में जानना चाह रहे हैं जो पाकिस्तान में चुपचाप आतंकियों का खात्मा करके भारत की मदद कर रहा है।

हालांकि, अभी तक इस बारे में भारत छोड़िए, पाकिस्तान के पास भी सुराग नहीं है कि उसके पालतू आतंकवादियों को कौन मौत की नींद सुलाता जा रहा है।

पिछले दो साल की मीडिया रिपोर्ट पर नजर डालें तो देखेंगे पाकिस्तान में मारे गए इन सभी आतंकियों की हत्या गोली मारकर की गई है।

पहलगाम हमले की जांच में बड़ा खुलासा, पाकिस्तान से है आतंकियों का कनेक्शन; विदेश मंत्रालय ने खोली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में आतंकियों के पाकिस्तान से तार जुड़े होने की बात सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने संसद की स्थायी समिति को बताया है, हमले में शामिल आतंकियों के पाकिस्तान में बैठे सरगनाओं से 'कम्युनिकेशन नोड' यानी संपर्क सूत्र जुड़े हुए हैं।

बताया जा रहा है, यह हमला पहले के उन हमलों से मिलता-जुलता है जिनकी जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी। मंत्रालय ने साफ किया कि यह संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही दूसरा नाम है। मंत्रालय ने आगे कहा, आतंकवाद के पनाहगाह के रूप में पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छी तरह से स्थापित है और इसके खिलाफ अच्छे सबूत मौजूद हैं।

आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान का रिकॉर्ड अच्छा- मंत्रालय ने ये भी कहा कि आतंकवाद के पनाहगाह के रूप में पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छी तरह से स्थापित है, जो ठोस तथ्यों और सबूतों पर आधारित है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर हुई हत्याओं के लिए भारत को दोषी ठहराता है, जबकि उसके आरोपों में कोई ठोस सबूत नहीं है। मंत्रालय ने यह भी कहा, इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच गलत तुलना करना है, जिससे यह लगे कि दोनों पड़ोसी देश सीमापार आतंकवाद के शिकार हैं, जबकि सच यह नहीं है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर जानलेवा हमला किया, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई।

दानिश से दोस्ती, पाकिस्तान ट्रिप और ISI से लिंक... ज्योति कैसे बनी पाक की खुफिया जासूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के 3 राज्यों से 8 लोगों को हिरासत में लिया गया। सभी पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप था। हालांकि, इन सभी लोगों में एक नाम जो सबसे ज्यादा चर्चा में है, वो है यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का। ज्योति पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ से संपर्क में होने का आरोप है। ज्योति मल्होत्रा 'Travel with JO' के नाम से अपना यूट्यूब चैनल चलाती हैं। ज्योति कई बार पाकिस्तान भी जा चुकी हैं, जिसके वीडियो उनके यूट्यूब चैनल पर मौजूद हैं।

पाकिस्तान के आतंकी चेहरे का पर्दाफाश, मित्र देशों से नहीं होगी कोई बात; अब मोदी सरकार ने बनाया यह प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सांसदों की टीम अगले कुछ दिनों तक 33 देशों का दौरा करेगी। वहां के सांसदों, सरकार के प्रतिनिधियों, मीडिया और थिंक टैंकों व आम जनों से मिलकर ना सिर्फ पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बारे में उन्हें जानकारी देगी, बल्कि पाकिस्तान के आतंकी चेहरे का भी पर्दाफाश करेगी।

विदेश जाने वाली टीम में कौन-कौन होगा- इस टीम में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने व अनुभवी राजनयिक भी हैं।

टीम कब से कब तक करेगी दौरा- सात हिस्सों में बंटी इस टीम का दौरा 23 मई से शुरू होगा और तीन जून, 2025 को समाप्त होगा।

टीम कहां-कहां जाएगी - टीम कहां-कहां जाएगी, इसका फैसला करने के समय इस बात का ख्याल रखा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद करने वाले किसी भी देश का दौरा नहीं किया जाए। यानी भारतीय टीम तुर्की, चीन, अजरबैजान नहीं जा रही।

विदेश मंत्रालय की तरफ से जो जानकारी दी गई है, उससे यह भी पता चलता है कि उन देशों को खास तौर पर तवज्जो दी गई है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य हैं। देखा जाए तो यूएनएससी के पांच स्थाई सदस्यों में से चीन को छोड़कर अन्य चारों देश अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस का दौरा भारतीय प्रतिनिधिमंडल करेगा।

इसी तरह से 10 अस्थाई सदस्यों में से पाकिस्तान और सोमालिया को छोड़कर मौजूदा अन्य आठ अस्थाई सदस्य देश अल्जीरिया, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, सिएरा लियोन, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया और ग्रीस की यात्रा पर भारतीय टीम जाएगी।

बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भी पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन के अलावा यूएनएससी के अन्य स्थाई सदस्यों के प्रमुखों से टेलीफोन पर बात की थी। जबकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 10 अस्थाई सदस्यों में पाकिस्तान को छोड़ कर अन्य नौ सदस्यों के विदेश मंत्रियों के साथ विमर्श किया था।

इन सभी को भारत में सीमा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने को लेकर पाक के समर्थन में चल रही गतिविधियों के बारे में बताया गया था।

किन देशों में नहीं जाएगी टीम- विदेश मंत्रालय मानता है कि जिस तरह से तुर्की व चीन ने पूरे मामले में भारत के विचारों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है, उसे देखते हुए इन्हें अपने पक्ष के बारे में अब जानकारी देने का कोई मतलब नहीं है।

दैनिक हिन्दकुश

चोरी, हत्या और शव को सब्जी के साथ पकाया... कातिल Chef ने पत्नी को बनाया क्राइम पार्टनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस में एक रोंगटे खड़े कर देने वाले मामले ने सबको चौंका दिया है। 69 वर्षीय रेस्तरां मालिक और शेफ फिलिप श्नाइडर ने 60 वर्षीय जॉर्जेस मिचलर की बेरहमी से हत्या की बात कबूल की है। हत्यारे फिलिप ने कबूला है कि उसने जॉर्जेस मीचलर के शरीर को कई टुकड़े किए और बर्तन में सब्जियों के साथ पकाया। उसने ऐसा इसलिए किया ताकि उसके अपराध को छिपाया जा सके।

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, 69 वर्षीय फिलिप श्नाइडर और उसकी 45 वर्षीय पत्नी नैथली कैबौबासी पर जॉर्जेस मीचलर की 2023 में हत्या करने का मुकदमा चल रहा है।

कातिल की पत्नी से अपराध में शामिल होने से किया इनकार- पीड़ित मीचलर की बेटी की ओर से दर्ज की गई गुमशुदगी की रिपोर्ट के बाद फिलिप ने पुलिस के सामने रोंगटे खड़े करने वाली बात कबूली है। उसने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने और नैथली ने जॉर्जेस मीचलर की हत्या कर दी थी। हालांकि कैबौबासी ने तब से हत्या में शामिल होने से इनकार किया है।

अखबार के अनुसार, इस जघन्य कत्ल के डिटेल्स देने से पहले कातिल ने इन्वेस्टिगेटर्स को आगाह किया कि मैं जो बताने जा रहा हूं वह खौफनाक है। उसने अधिकारियों को बताया कि उन दोनों (पति-पत्नी) ने मेचलर की हत्या गलती से कर दी।

दरअसल फिलिप श्नाइडर और उसकी पत्नी चोरी के इरादे से जॉर्जेस मीचलर के घर पहुंचे थे। दंपति ने मिचलर को बांध दिया था और उनका मुंह बंद कर दिया था और उसके घर की तलाशी लेने के बाद, वे वापस आए तो पाया कि मिचलर की दम घुटने से मौत हो चुकी थी।

सबूतों को छिपाने के लिए उठाया ये डरावना कदम- कातिल फिलिप श्नाइडर ने अपने फिंगर प्रिंट और सबूतों को छिपाने के लिए मिचलर के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। उसने मिचलर के हाथ, सिर, पैर के जला दिया। शरीर की राख को दोनों ने मिलकर मिचलर के ही वैन में बिखेर दिया।

फिलिप श्नाइडर ने कबूला कि उसने अपने घर में सब्जियों के साथ एक बर्तन में मिचलर की शरीर के कुछ हिस्सों को पकाया था। ये इल्म उसने नेपाल की एक धार्मिक परंपरा से सीखा था।

कब्र खोदने वाला भी अपराध में शामिल

इस अपराध में एक 25 साल का शख्स भी मुकदमे का सामना कर रहा है। उसपर आरोप है कि उसने फिलिप का साथ मिचलर की शरीर को ठिकाने लगाने के लिए किया था। उसने कहा कि फिलिप ने उसे मांस को तब तक पकाने का आदेश दिया जब तक कि वह हड्डियों से अलग न हो जाए और अगर कोई पूछे, तो कह दे कि यह कुत्ते का खाना है।

बलूचिस्तान में बढ़ रहे जबरन लोगों को गायब करने के मामले, पाकिस्तानी सेना पर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर मानवाधिकार संस्था ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना की है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने कहा कि बलूचिस्तान से पाकिस्तानी सेना द्वारा सात और बलूचों को जबरन गायब कर दिया गया है।

पीड़ितों को अक्सर बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के उठाकर ले जाया जाता है। स्वजनों को उनकी कोई जानकारी नहीं दी जाती। संस्था ने कहा कि रविवार को मस्तुंग के किल्ली शेखान इलाके से वकास बलूच को जबरन हिरासत में लिया गया।

पाकिस्तानी सेना पर लगे लोगों को गायब करने के आरोप- 18 मई को ग्वादर के नवीद बलूच को और मस्तुंग से अत्ता उल्ला बलूच को उठाकर ले गए। इससे पहले 16 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों ने शाह नवाज बलूच को उनके पिता के साथ सैन्य शिविर में बुलाया। पिता को वापस भेज दिया, लेकिन नवाज को हिरासत में ले लिया गया। तब से वह गायब है। अन्य घटना में 17 मई को नसीराबाद निवासी अमीन उल्ला बलूच को सुरक्षा बल उठाकर ले गए। उसी दिन नसीराबाद से गायब 13 वर्षीय फियाज अली का कहीं पता नहीं चला।

जबरन गायब किए जाने के विरोध में मार्च निकाला - सिंधियन नेशनल कांग्रेस ने भूमि अधिग्रहण और लोगों को जबरन गायब किए जाने के विरोध में हैदराबाद में मार्च का आयोजन किया। कराची, लरकाना, बदीन, सुक्कुर, खैरपुर, नवाबशाह, दादू, उमरकोट, थारपारकर आदि सहित पूरे सिंध से हजारों लोग एकत्रित हुए थे।

भारत विरोधी गतिविधियों के कारण प्रवासी भारतीय की ओसीआई रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन स्थित वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक ब्रिटिश कश्मीरी प्रोफेसर ने दावा किया है कि भारत विरोधी गतिविधियों के कारण भारतीय अधिकारियों ने उनकी प्रवासी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) रद कर दी है।

निताशा कौल ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर भारत सरकार से प्राप्त पत्र का विवरण पोस्ट किया, जिसमें उन पर दुर्भावना से प्रेरित होने और तथ्यों या इतिहास की पूर्ण अवहेलना करने का आरोप लगाया गया है। यह घटनाक्रम फरवरी में उनके पिछले पोस्ट के बाद सामने आया है, जब शिक्षाविद ने बेंगलुरु में एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत में प्रवेश न करने देने को लेकर पलटवार किया था।

ओसीआई रद करने की दी जानकारी- कौल ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि जानती हूं कि नफरत के खिलाफ बोलने पर भारत में शिक्षाविदों को गिरफ्तार करना भारत के बाहर के शिक्षाविदों के लिए देश और परिवार तक पहुंच को खत्म करने से जुड़ा हुआ है।

विदेश मंत्री जयशंकर पहुंचे नीदरलैंड, रणनीतिक विशेषज्ञों से कई मुद्दों हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने सोमवार को हेग में अपने डच समकक्ष कैस्पर वेल्डकंप के साथ चर्चा की।

उन्होंने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता के समर्थन के लिए नीदरलैंड्स को सराहते हुए आभार जताया।

विदेश मंत्री मे एक्स पर दी जानकारी- जयशंकर ने बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमने द्विपक्षीय साझेदारी को गहरा करने और यूरोपीय संघ के साथ सहयोग पर व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्री नीदरलैंड्स, डेनमार्क और जर्मनी के छह दिवसीय दौरे के पहले चरण में सोमवार को हेग पहुंचे थे।

भारत की चल रही कूटनीतिक पहल का हिस्सा है ये दौरा- विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर का यह दौरा भारत की चल रही कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को गहरा करना और प्रमुख यूरोपीय साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाना है। इस दौरे के दौरान विदेश मंत्री तीन देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और द्विपक्षीय संबंधों और आपसी रुचि के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर अपने समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे।

भारत के एक्शन के बाद बैकफुट पर बांग्लादेश, समस्याओं को हल करने के लिए रखा चर्चा का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओर से जमीनी रास्तों के माध्यम से बांग्लादेशी निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह भारत के साथ सभी व्यापार समस्याओं को हल करना चाहती है।

भारत द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों के बारे में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वाणिज्य सलाहकार शेख बशीरुद्दीन ने कहा कि हमें अब तक भारत के कदमों के बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी पता नहीं है। अगर कोई समस्या आती है, तो दोनों पक्ष चर्चा करेंगे और उन्हें हल करने का प्रयास करेंगे।

मुहम्मद यूनुस के सलाहकार ने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ सभी मुद्दों पर चर्चा करना चाहता है। हाल ही में, भारत ने सड़क मार्ग से बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स, फल, पेय पदार्थ, स्नैक्स, चिप्स, कपास सहित कई अन्य सामानों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले बांग्लादेश ने भारत से भूमि मार्ग से धागे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत ने लिया था ये फैसला- भारत ने बांग्लादेश से तीसरे देशों को माल के निर्यात के लिए ट्रांस-शिपमेंट सुविधा भी रद कर दी थी। इस प्रकार, दोनों पड़ोसी देशों के बीच पारस्परिक व्यापार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

अभिनेत्री नुसरत फारिया को भेजा जेल- बांग्लादेश की अभिनेत्री नुसरत फारिया को इनामुल हक नामक एक शख्स की हत्या के प्रयास के मामले में जेल भेज दिया गया है। उन्होंने एक फिल्म में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभाया था। फारिया को रविवार को ढाका हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया जब वह थाईलैंड जा रही थीं। उन्हें जुलाई 2024 के एक आंदोलन से संबंधित मामले में गिरफ्तार दिखाया गया।

इजरायल की ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा को चेतावनी, गाजा में सेना की कार्रवाई का विरोध करने पर भड़के नेतन्याहू

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में इजरायली फौज ने अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। इसको लेकर ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई की आलोचना की। इस पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब दिया है।

उन्होंने उन देशों पर आरोप लगाते हुए कहा, कि वे 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमास के जनसंहार को इनाम दे रहे हैं और इजरायल को उसके आत्मरक्षा के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं।

इजरायल से सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील- बयान में इजराइल से गाजा में अपनी नई सैन्य कार्रवाइयों को रोकने तथा तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने की भी अपील की गई है। इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा, यह बर्बरता पर सभ्यता का युद्ध है। इजरायल तब तक न्यायपूर्ण तरीकों से अपना बचाव करना जारी रखेगा, जब तक कि पूर्ण विजय प्राप्त नहीं हो जाती। नेतन्याहू ने संघर्ष की को याद करते हुए कहा, %युद्ध 7 अक्टूबर को शुरू हुआ जब फलस्तीनी आतंकवादियों ने हमारी सीमाओं पर हमला किया, 1,200 निर्दोष लोगों की हत्या की और 250 से अधिक निर्दोष लोगों को गाजा की काल कोठरी में अपहरण कर लिया।

ट्रंप पर इजरायल का बयान- इजरायली प्रधानमंत्री ने युद्ध समाप्त करने की शर्तें बताते हुए कहा, इजरायल राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए को स्वीकार करता है और कहा सभी यूरोपीय नेताओं से ऐसा ही करने का आग्रह करता है। अगर बाकि बंधकों को रिहा कर दिया जाए, हमास अपने हथियार डाल दे, उसके हत्यारे नेताओं को निर्वासित कर दिया जाए तो युद्ध कल ही समाप्त हो सकता है।

सैफुल्लाह खालिद के बाद आतंकी अब्दुल वाहिद का खात्मा, सीक्रेट किलर ने भारत के एक और दुश्मन को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा का एक और आतंकी मारा गया है। रविवार को सिंध प्रांत में बंदूकधारियों ने लश्कर के एक प्रमुख आतंकवादी अब्दुल वाहिद कुंभो को गोलियों से भून दिया। भारत में कई आतंकी हमलों के सूत्रधार लश्कर आतंकवादी रजाउल्ला निजामनी खालिद उर्फ अबू सैफुल्लाह खालिद भी एक दिन पहले ही सिंध में मारा गया था।

सैफुल्ला खालिद ने भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों की रची थी साजिश- एक के बाद एक कई साथियों के मारे जाने से लश्कर आतंकियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इस बात को स्वीकार किया है कि इस महीने के शुरू में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कई हिस्सों में लश्कर आतंकवादियों की हत्या में वृद्धि हुई है।

सैफुल्ला खालिद ने भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों की साजिश रची थी और अंततः वह सिंध प्रांत में बस गया था, जहां उसे पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरी सुरक्षा प्रदान की गई थी।

मतली इलाके में हथियारबंद लोगों ने अब्दुल वाहिद को उतारा मौत के घाट - वहीं अब्दुल वाहिद खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पेश करता था। वह लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक मोर्चे मिल्ली मुस्लिम लीग का सदस्य था।

स्कूलों में पढ़ाई जाएगी ब्रम्होस और आकाश मिसाइलों की शौर्य गाथा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान की तरह अब ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को घुटने के बल लाने वाली ब्रम्होस और आकाश मिसाइलों के शौर्य की कहानी भी स्कूली बच्चे पढ़ेंगे। शिक्षा मंत्रालय जल्द ही इसे सभी भारतीय भाषाओं में स्कूली बच्चों तक पहुंचाने की तैयारी में है। जो स्कूलों में बच्चों तक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त गतिविधियां और भारतीय भाषाओं को सिखाने के क्रम में रोचक तरीके से पहुंचाएगी जाएगी।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को एक कार्यक्रम में इसके संकेत दिए और कहा कि ब्रम्होस और आकाश की ताकत हमारी शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का प्रमाण है। ऐसे में हमें शोध पर अधिक बल देना चाहिए। इसके लिए पीएम रिसर्च फंड में जरूरी बदलाव किए जा रहे है।

बच्चों को पढ़ाई जाएगी सफलता की कहानी- माना जा रहा है कि इस पहल से बच्चों के मन में ऐसे शोधों के प्रति रूझान बढ़ेगा, जो राष्ट्रीय हितों के प्रति जुड़ाव बढ़ाने वाले हो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बच्चों में स्कूली स्तर से ही ऐसे बीच रोपने की सिफारिश की गई है, ताकि वह आगे चलकर शोध और इनोवेशन के क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकें। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक चंद्रयान की सफलता की कहानी को बच्चों के बीच जिस रोचक तरीके से पहुंचाया गा था, साथ ही वह बच्चों की जुबान पर छा गया है, उसे देखते हुए ब्रम्होस और आकाश मिसाइलों की सफलता की कहानी भी बच्चों की बीच पहुंचायी जाएगी।

इनमें यह बताया जाएगा कि कैसे इन मिसाइलों ने पाकिस्तान की मिसाइलों को हवा में ही मार न सिर्फ ध्वस्त किया बल्कि इन मिसाइलों ने पाकिस्तान के सारे सुरक्षा तंत्र को भेदते हुए उसके भीतर घुसकर उसके हवाई अड्डों और आतंकी ठिकानों को नष्ट किया।

ज्यूडिशियल सर्विस में प्रवेश के लिए 3 साल की प्रैक्टिस अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज निचली अदालत के जजों यानी जूनियर डिविजन सिविल जज की नियुक्ति पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट का कहना है कि इन पदों पर परीक्षा के लिए उम्मीदवार को कम से कम तीन साल की लीगल प्रैक्टिस करना जरूरी है।

कोर्ट ने लॉ ग्रेजुएट की सीधी भर्ती पर रोक लगा दी है। वह परीक्षा तभी दे सकेंगे, जब वो लॉ से ग्रेजुएट होने के बाद तीन साल वकील के तौर पर काम करें।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का फैसला- मुख्य न्यायाधीश भूषण रामाकृष्ण गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। जस्टिस गवई ने कहा, नए लॉ स्नातकों की नियुक्ति से कई समस्याएं पैदा हुई हैं, जैसा कि हाईकोर्ट के हलफनामों से पता चलता है। हम हाईकोर्ट के साथ इस बात पर सहमत हैं कि न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब प्रत्याशी को न्यायालय के साथ काम करने का अनुभव हो। पिछले 20 सालों से,नए लॉ स्नातकों को बिना अभ्यास के न्यायिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करना एक सफल अनुभव नहीं रहा है। ऐसे नए लॉ स्नातकों ने कई समस्याओं को जन्म दिया है।

हमारी जद में है पाक आर्मी का हेड क्वार्टर, बचने के लिए करना होगा ये काम; सेना के बड़े अधिकारी का दावा

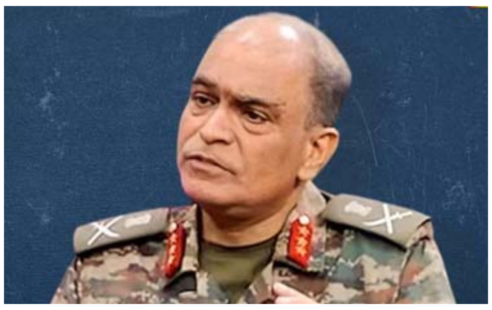

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना की तबाही का मंजर पूरी दुनिया ने देखा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 11 एअरबेस तबाह कर दिए। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए, जिससे पाकिस्तानी सेना की दुनिया भर में फजीहत हुई। इसी बीच अब खबरें सामने आ रही हैं कि पाकिस्तान अपनी सेना का मुख्यालय रावलपिंडी से किसी दूसरी जगह शिफ्ट करने पर विचार कर रहा है।

भारतीय आर्मी एअर डिफेंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी%कुन्हा ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जनरल सुमेर ने कहा कि भारत से बचने के लिए पाकिस्तान को जमीन के अंदर गहरा गड्ढा खोदना होगा। एएनआई से बातचीत के दौरान जब जनरल सुमेर से पूछा गया कि पाक सेना अपना मुख्यालय बदलने के बारे में सोच रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि, ÷पूरा पाकिस्तान ही हमारी रेंज में आता है। अगर वो पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा जैसी जगहों पर ले जाते हैं, तो इसके लिए उन्हें जमीन में गहरा गड्ढा करना होगा।

जनरल सुमेर के अनुसार, मैं कहना चाहता हूं कि भारत के पास पाकिस्तान से लड़ने के लिए ऐसे हथियार हैं कि हम उसके किसी भी कोने में प्रहार कर सकते हैं। पूरा पाकिस्तान हमारी रेंज में आता है। हम इतने सक्षम हैं कि अपनी सीमा से ही पाकिस्तान को क्षति पहुंचा सकते हैं। अगर वो रावलपिंडी से अपना मुख्यालय कहीं और ले जाते हैं तो भी उन्हें जमीन में कोई गहरा गड्ढा खोदना होगा। जनरल सुमेर ने कहा कि, ÷हमारा काम देश की संप्रभुता और देश के लोगों की रक्षा करना है। हम अपनी मातृभूमि की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। पाकिस्तान ने ड्रोन हमलों की मदद से न सिर्फ रिहायशी इलाकों बल्कि हमारे जवानों को भी निशाना बनाया। मगर हमने यह सुनिश्चित किया कि इससे किसी को कोई नुकसान ना हो।

हैदराबाद में शख्स ने काट डाली महिला की उंगली, पैसे के लेन-देन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक 26 साल के युवक ने पैसे के लेन-देन के चक्कर में एक महिला की उंगली काट ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी है। घटना 17 मई को हुई और पीड़िता की बेटी की शिकायत के आधार पर आरोपी और उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

मधुरा नगर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कपल 45 साल की महिला और उसकी बेटी के घर में किराएदार थे, लेकिन अप्रैल में उन्होंने घर खाली कर दिया था। पुलिस ने बताया कि घर के मालिकों को कपल को चिटफंड कारोबार के तहत 30,000 रुपये देने थे।

आरोपी के काटी महिला की उंगली- पुलिस ने बताया कि उन्होंने कपल से कहा कि वे 5,000 रुपये काट लेंगे और बाकी रकम उन्हें दे देंगे, क्योंकि उनके एक परिचित व्यक्ति, जो पहले उनके घर में रह चुका था ने किराया नहीं दिया था। इसके बाद दंपति महिला के घर गए। पुलिस ने बताया कि उनके बीच हाथापाई हुई और इस दौरान आरोपी ने महिला की उंगली काट ली और उसका एक हिस्सा नीचे गिर गया।

सड़कें जगमग्न, अंडरपास डूबे... घुटने तक पानी में ऑफिस जा रहे लोग; बेंगलुरु में कहर बनकर बरसी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सिलिकॉन वैली कहा जाने वाला बेंगलुरु इस वक्त बारिश से बेहाल है। पिछले 12 घंटे में बेंगलुरु में 130 मिमी बारिश हुई है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बारिश के कारण बेंगलुरु की 20 से ज्यादा झीलें ओवरफ्लो की स्थिति तक पहुंच गई हैं। बताया जा रहा है कि दो निम्न दबाव वाले सिस्टम के मिलने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। मौसम विभाग ने अभी अगले 5 दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। बेंगलुरु के कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अंडरपास पानी में डूब गए हैं।

घुटनों तक पानी में जाने को मजबूर लोग- कई घरों में भी पानी घुस गया है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। रेस्क्यू टीमें नाव, जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। बेंगलुरू में घुटनों तक पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए आवश्यक सामग्री से भरी नावें और ट्रैक्टर ट्रेलर तैनात किए गए हैं। सिल्क बोर्ड जंक्शन के पास रहने वाले स्थानीय निवासी उभय अधिकारी ने बताया कि यह सरकार की विफलता है। उन्हें सावधानी बरतने की जरूरत है। निचले इलाकों से आने वाले लोग सोमवार को आफिस जाने के लिए बीबीएमपी द्वारा तैनात की गई नावों में सवार होकर गए।

राज्य एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने कहा कि किसी ने भी बेंगलुरु में इतनी भारी बारिश की उम्मीद नहीं की थी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मई में इतनी भारी बारिश आम बात नहीं है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मई महीने में यहां आखिरी बार इतनी भारी बारिश 18 मई, 2022 को हुई थी। यहां मई महीने में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड 153.9 मिमी है, जो छह मई 1909 को हुआ था।

सीआईएसएफ की महिला अधिकारी ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीआईएसएफ की महिला उप-निरीक्षक गीता समोटा ने इतिहास रच दिया है। गीता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई कर दी है। ऐसा करने वाली वह सीआईएफएफ की पहली अधिकारी बन गई हैं।

राजस्थान के सीकर जिले स्थित चक गांव में जन्मी गीता की स्कूल और कॉलेजी की पढ़ाई स्थानीय संस्थानों में हुई। वह कॉलेज में हॉकी खेलती थी, लेकिन एक चोट के कारण उन्होंने खेल का सफर वहीं रोक दिया। 2011 में उनका चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में हुआ।

गीता के हौसले के आगे पस्त दुनिया- भारत-तिब्बत सीमा पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में उन्हें पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए चयनित किया गया था। 2017 में उन्होंने पर्वतारोहण ट्रेनिंग पूरी कर ली और ऐसा करने वाली वह सीआईएसएफ की पहली और एकमात्र कर्मी बनीं। अपने हौसले की बदौलत उन्होंने उत्तराखंड की माउंट सतोपंथ और नेपाल की माउंट लोबुचे पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई कर ली। सीएपीएफ के इतिहास में ऐसा करने वाली वो पहली महिला थीं। 2021 में माउंट एवरेस्ट के लिए निर्धारित सीएपीएफ अभियान में उनका चयन हुआ, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे रद कर दिया गया।

कई अवॉर्ड से हुई हैं सम्मानित- गीता ने सातों महाद्वीप की सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ाई करने को अपना लक्ष्य बनाया। 2022 की शुरुआत तक उन्होंने इनमें से 4 पर सफलतापूर्वक चढ़ाई भी कर ली। इसके लिए उन्होंने महज 6 महीने और 27 दिन का समय लिया। लद्दाख के रूपशु क्षेत्र में गीता ने 3 दिन में 5 चोटियों पर चढ़ाई की।

गीता को दिल्ली महिला आयोग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2023 और सिविल एविएशन मंत्रालय द्वारा गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण नवमी

संपादकीय

जस्टिस बी.आर. गवई का यह विचार कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करना चाहिए...

जस्टिस बी.आर. गवई का यह विचार कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करना चाहिए, भारत में सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह विचार आरक्षण नीति को और समावेशी और प्रभावी बनाने की तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित लोगों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां हैं, जिनमें सामाजिक भेदभाव की निरंतरता, संवैधानिक प्रावधानों का पालन, और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल हैं।

भारत में आरक्षण नीति सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को समान अवसर प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण साधन रही है। यह नीति संविधान के तहत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए विशेष प्रावधानों के माध्यम से लागू की गई है। हालांकि, समय के साथ आरक्षण के दुरुपयोग, इसके लाभों के असमान वितरण, और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों ने इस नीति की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं। इस संदर्भ में, सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का यह विचार कि संपन्न लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद मुद्दा बनकर उभरा है।

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई, जिन्होनें 14 मई 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ग्रहण की, सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से नियुक्त होने वाले पहले जजों में से एक हैं। महाराष्ट्र के अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई ने अपने करियर में संवैधानिक और प्रशासनिक कानून के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके पिता, आर.एस. गवई, एक प्रसिद्ध राजनेता और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता थे, जिसने उनके सामाजिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया।

जस्टिस गवई ने कई मौकों पर आरक्षण नीति में सुधार की वकालत की है। उनका मानना है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं। उन्होंने क्रीमी लेयर (संपन्न वर्ग) की अवधारणा को अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए भी लागू करने की सिफारिश की है, जैसा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पहले से लागू है। उनका तर्क है कि जब कोई व्यक्ति या उसका परिवार आरक्षण के माध्यम से उच्च पदों, जैसे कि आईएएस, आईपीएस, या अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में पहुंच जाता है, तो उनकी अगली पीढ़ी को सामाजिक और आर्थिक असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसे में, उन्हें आरक्षण का लाभ देना नीति के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है। जस्टिस गवई ने एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी, जो वर्गीकरण का विरोध कर रहे हैं, वह उस मुसाफिर की तरह है, जो रेल के डिब्बे में घुस जाता है, फिर दूसरों को डिब्बे में आने से रोकता है। यह कथन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि संपन्न दलित या अन्य आरक्षित वर्ग के लोग, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठा चुके हैं, अब वंचितों के हक को छीन रहे हैं। क्रीमी लेयर की अवधारणा पहली बार 1992 में इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पेश की गई थी। इस फैसले में कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण में क्रीमी लेयर को बाहर करने का प्रावधान किया, ताकि आरक्षण का लाभ केवल उन लोगों तक पहुंचे जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। क्रीमी लेयर की पहचान आय, पेशा, और सामाजिक स्थिति जैसे मापदंडों के आधार पर की जाती है। उदाहरण के लिए, उच्च आय वाले परिवार, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के बच्चे, या पेशेवर डिग्री धारक क्रीमी लेयर के अंतर्गत आ सकते हैं।

राजीव गाँधी

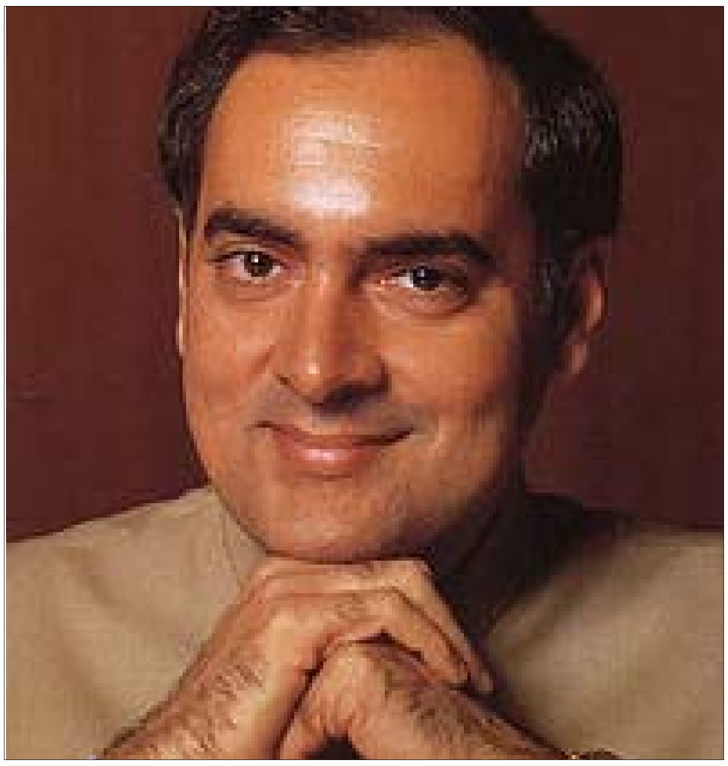

राजीव गाँधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के पुत्र और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौहित्र और भारत के नौवें प्रधानमंत्री थे। उनका पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था। राजीव गांधी भारत की कांग्रेस (इ) पार्टी के अग्रणी महासचिव (1981 से) थे और अपनी माँ की हत्या के बाद भारत के प्रधानमंत्री (1984-1989) बने। 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा और नौवें प्रधानमंत्री होने का गौरव हासिल करने वाले राजीव गांधी आधुनिक भारत के शिल्पकार कहे जा सकते हैं। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने देश में तकनीक के प्रयोग को प्राथमिकता देकर कंप्यूटर के व्यापक प्रयोग पर जोर डाला। भारत में कंप्यूटर को स्थापित करने के लिए उन्हें कई विरोधों और आरोपों को भी झेलना पड़ा, लेकिन अब वह देश की ताकत बन चुके कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। राजीव गांधी देश के युवाओं में काफ़ी लोकप्रिय नेता थे। उनका भाषण सुनने के लिए लोग काफ़ी इंतज़ार भी करते थे। राजीव देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई ऐसे फैसले लिए जिसका असर देश के विकास पर देखने को मिला।

जीवन परिचय- राजीव गाँधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 को बंबई (वर्तमान मुंबई), भारत में हुआ था। कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान राजीव गांधी की मुलाकात एंटोनिया मैनो से हुई, विवाहोपरांत जिनका नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव गाँधी के दो सन्तानें है, पुत्र राहुल गाँधी और पुत्री प्रियंका गाँधी। राजीव तथा उनके छोटे भाई संजय गाँधी (1946-1980) की शिक्षा-दीक्षा देहरादून के प्रतिष्ठित दून स्कूल में हुई थी। इसके बाद राजीव गांधी ने लंदन के इंपीरियल कॉलेज में दाख़िला लिया तथा केंब्रिज विश्वविद्यालय (1965) से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पूरा किया, भारत लौटने पर उन्होंने व्यावसायिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया और 1968 से इंडियन एयरलाइन्स में काम करने लगे।

राजनीतिक सफ़र- राजीव गांधी ने अपनी राजनीतिक आरुचि के बाद भी माँ इंदिरा गाँधी के आदेश पर राजनीति जीवन शुरू किया। छोटे भाई संजय के स्थान पर 1981 में अमेठी से पहला चुनाव जीता और लोकसभा में पहुंचे। जब तक उनके भाई जीवित थे, राजीव राजनीति से बाहर ही रहे, लेकिन एक शक्तिशाली राजनीति व्यक्तित्व के धनी संजय की 23 जून, 1980 को एक वायुयान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राजीव को राजनीतिक जीवन में ले आईं। जून 1981 में वह लोकसभा उपचुनाव में निर्वाचित हुए और इसी महीने युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बन गए।

राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद राजीव गांधी ने कभी भी राजनीति में रुचि नहीं ली। भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था में राजीव गांधी का प्रवेश केवल हालातों की ही देन था। दिसंबर 1984 के चुनावों में कांग्रेस को जबरदस्त बहुमत हासिल हुआ। इस जीत का नेतृत्व भी राजीव गांधी ने ही किया था। अपने शासनकाल में उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं और नौकरशाही में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए। कश्मीर और पंजाब में चल रहे अलगाववादी आंदोलनकारियों को हतोत्साहित करने के लिए राजीव गांधी ने कड़े प्रयत्न किए। भारत में ग़रीबी के स्तर में कमी लाने और ग़रीबों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए 1 अप्रैल 1989 को राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार गारंटी योजना को लागू किया जिसके अंतर्गत इंदिरा आवास योजना और दस लाख कुआं योजना जैसे कई कार्यक्रमों की शुरुआत की।

असाधारण व्यक्तित्व- कोई व्यक्ति मानसिक रूप से कितना सुदृढ़ हो सकता है, इसकी मिसाल राजीव गाँधी थे। पहले छोटे भाई की मृत्यु और चार वर्षों बाद माॅं की नृशंस हत्या, इस सब के बाद भी उनके कदम डगमगाए नहीं और वे और शक्ति के साथ भारत निर्माण की मंजिल की ओर बढ़ते गए। इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद लोकसभा में कांग्रेस का पूर्ण बहुमत था, राजीव गांधी लोकसभा के निर्वाचित सदस्य थे, फिर भी राजनीतिक शुचिता का परिचय देते हुए, उन्होंने पुनः लोकसभा में चुनाव समय पूर्व करवाए ताकि कोई यह अंगुली न उठा सके कि जनता ने इंदिरा जी को देखकर कांग्रेस को बहुमत दिया था, राजीव को नहीं। और राजीव गांधी के नेतृत्व में भारत के लोकतंत्र में इतिहास में कांग्रेस ने 542 में से 411 सीटें जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया।

राजीव गांधी के गद्दी संभालने के समय उन्हें आतंकवाद से जलता झुलसता भारत मिला था। उत्तरी भाग में पंजाब तो उत्तरपूर्व में असम जैसे राज्य के आम नागरिक आतंकवादी और आतंकी घटनाओं से संघर्ष कर रहे थे और यह राजीव गांधी के लिए एक बड़ी पीड़ा का कारण था। उन्होंने पंजाब में आतंकवाद के हल करने की दिशा में अग्रसर होते हुए संत हरचरण सिंह लोंगोवाल से आग्रह किया कि ऐसा कुछ सार्थक किया जाए कि जिसके परिणामस्वरूप पंजाब की जनता को आतंक की आग से बचाया जा सके और इसकी परिणिति के रूप में राजीव-लोंगोवाल समझौता सामने आया, जिसका त्वरित प्रभाव यह रहा कि पंजाब के लोगों ने पहली बार मानसिक रूप से यह स्वीकार कर लिया कि पंजाब से आतंकवाद खत्म हो सकता है, और पंजाब के युवा पुनः देश के मुख्य धारा में सम्मिलित हो सकते हैं। यद्यपि संत लोंगोवाल के निधन से समझौते के परिणाम प्राप्त होने में समय ज़रूर लगा पर इस मानसिक दृढ़ता के बल पर ही पंजाब के लोगों ने धीरे-धीरे आतंकवाद पर विजय प्राप्त करी और आज पंजाब में सब कुछ सामान्य है।

प्रधानमंत्री के रूप में- 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश की डांवाडोल होती राजनीतिक परिस्थितियों को संभालने के लिए उन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया। उस समय कई लोगों ने उन्हें नौसिखिया भी कहा लेकिन जिस तरह से उन्होंने यह जिम्मेदारी निभाई उससे सभी अचंभित रह गए। राजीव को सौम्य व्यक्ति माना जाता था। जो पार्टी के अन्य नेताओं से विचार-विमर्श करते थे और जल्दबाज़ी में निर्णय नहीं लेते थे। जब उनकी माँ की हत्या हुई, तो राजीव को उसी दिन प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और उन्हें कुछ दिन बाद कांग्रेस (इं) पार्टी का नेता चुन लिया गया। उनका शासनकाल कई आरोपों से भी घिरा रहा जिसमें बोफोर्स घोटाला सबसे गंभीर था। इसके अलावा उन पर कोई ऐसा दाग़ नहीं था जिसकी वजह से उनकी निंदा हो। पाक दामन होने की वजह से ही लोगों के बीच राजीव गांधी की अच्छी पकड़ थी। श्रीलंका में चल रहे लिट्टे और सिंघलियों के बीच युद्ध को शांत करने के लिए राजीव गांधी ने भारतीय सेना को श्रीलंका में तैनात कर दिया। जिसका प्रतिकार लिट्टे ने तमिलनाडु में चुनावी प्रचार के दौरान राजीव गांधी पर आत्मघाती हमला करवा कर लिया। 21 मई, 1991 को सुबह 10 बजे के क़रीब एक महिला राजीव गांधी से मिलने के लिए स्टेज तक गई और उनके पांव छूने के लिए जैसे ही झुकी उसके शरीर में लगा आरडीएक्स फट गया। इस हमले में राजीव गांधी की मौत हो गई। देश में राजीव गांधी की मौत के बाद बहुत बड़ा रोष देखने को मिला।

योगदान- राजीव गांधी अपनी इच्छा के विपरीत राजनीति में आए थे। वह खुद राजनीति को भ्रष्टाचार से मुक्त करना चाहते थे लेकिन यह विडंबना ही है कि उन्हें भ्रष्टाचार की वजह से ही सबसे ज्यादा आलोचना झेलनी पड़ी। उन्होंने देश में कई क्षेत्रों में नई पहल और शुरुआत की जिनमें संचार क्रांति और कंप्यूटर क्रांति, शिक्षा का प्रसार, 18 साल के युवाओं को मताधिकार, पंचायती राज आदि शामिल है। राजीव ने कई साहसिक कदम उठाए जिनमें श्रीलंका में शांति सेना का भेजा जाना, असम समझौता, पंजाब समझौता, मिजोरम समझौता आदि शामिल है।

अलगाववादी आन्दोलन- दिसम्बर 1984 के आम चुनाव में उन्होंने पार्टी की ज़बरदस्त जीत का नेतृत्व किया और उनके प्रशासन ने सरकारी नौकरशाही में सुधार लाने तथा देश की अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए ज़ोरदार क़दम उठाए। लेकिन पंजाब और कश्मीर में अलगाववादी आन्दोलन को हतोत्साहित करने की राजीव की कोशिश का उल्टा असर हुआ तथा कई वित्तीय साज़िशों में उनकी सरकार के उलझने के बाद उनका नेतृत्व लगातार अप्रभावी होता गया। 1989 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया, लेकिन वह कांग्रेस (इं) पार्टी के नेता पद पर बने रहे।

स्टेट बैंक ने दो महीने में दूसरी बार स्नष्ठ पर घटाया ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने एफडी पर ब्याज दरों में फिर कटौती कर दी है। इसने 7 दिन से लेकर 10 साल तक, हर अवधि की एफडी पर ब्याज दर 0.20 प्रतिशत घटाई है। यह कटौती 16 मई से लागू हो गई है। आईए जानते है कि SBI में कितनी अवधि के लिए पैसे जमा करने पर कितना ब्याज मिलेगा, और सबसे ज्यादा ब्याज किस अवधि की एफडी पर मिलेगा।

SBI सीनियर सिटीजन को एफडी पर कितना ब्याज दे रहा है- एसबीआई की वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर आम लोगों और वरिष्ठ नागरिक दोनों के लिए ब्याज दरें घटाई गई हैं।

दो साल से लेकर तीन साल से कम अवधि की एफडी पर सबसे अधिक 6.7% ब्याज मिलेगा। उसके बाद सबसे अधिक 6.55% ब्याज तीन साल से लेकर पांच साल से कम की एफडी पर मिलेगा। सभी अवधि के लिए सीनियर सिटीजन को आम लोगों की तुलना में 0.5% अधिक ब्याज मिलेगा।

एसबीआई ने 7 दिन की एफडी पर ब्याज की दर 3.5% से घटाकर 3.3% कर दी है। देश के सबसे बड़े बैंक ने पिछले महीने भी डिपॉजिट रेट में 0.1% से 0.25% की कटौती की थी।

महंगाई दर लगातार नीची रहने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल में रेपो रेट 0.25त घटाया था। उसके बाद एसबीआई ने भी एफडी पर ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की थी।

नेट प्रॉफिट के लिहाज से दुनिया की 100 सबसे बड़ी कंपनियों में भारत की तीन कंपनियां शामिल हैं। उनमें एक एसबीआई भी है। बाकी दो कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज और ओएनजीसी हैं। वर्ष 2024-25 में एसबीआई को 70,901 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ। यह 2023-24 के 61,077 करोड़ रुपये से 16% अधिक है।

करीब 15 लाख निवेशकों को फ्री में मिलेंगे इस कंपनी के शेयर, 14 साल बाद पहली बार बोनस शेयर का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिड एवं हैवी कमर्शियल व्हीकल बनाने वाली कंपनी अशोक लीलैंड लिमिटेड के शेयर मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 3त से अधिक चढ़ गए हैं और 246 रुपये के पार पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि शुक्रवार, 23 मई को अपनी बोर्ड बैठक के दौरान शेयरों के बोनस इश्यू पर विचार करेगी।

कंपनी ने 19 मई सोमवार को एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि बोनस इश्यू के प्रस्ताव पर अशोक लीलैंड के चौथी तिमाही के नतीजों के साथ विचार किया जाएगा। यह बोनस इश्यू कंपनी के शेयरधारकों से अपेक्षित मंजूरी के अधीन होगा। यह लगभग 14 सालों में पहला उदाहरण होगा जब अशोक लीलैंड शेयरों के बोनस इश्यू पर विचार करेगा। इस बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट अभी तय नहीं की गई है। बता दें कि आखिरी बार अशोक लीलैंड ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर 2011 में जारी किए थे, जब उसने प्रत्येक एक शेयर के लिए एक मुफ्त शेयर जारी किया था। इस अवधि के दौरान, अशोक लीलैंड ने अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान किया है, जो ?0.45 प्रति शेयर से लेकर ?4.95 प्रति शेयर के बीच रहा है, जिसका भुगतान उसने अप्रैल 2024 में किया था।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों के डूब गए 5 लाख करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर वैश्विक संकेतों, कोरोनावायरस की री-एंट्री, मुनाफावसूली और संस्थागत निवेशकों के बीच सतर्क भावना के बीच मंगलवार को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 50 में भारी गिरावट आई। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख इंडेक्स, सेंसेक्स करीब 900 अंकों तक क्रैश हो गया। सेंसेक्स 872.98 अंक टूटकर 81,186.44 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 261.55 अंक फिसलकर 24,683.90 अंक पर रहा। कारोबार के दौरान मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में एक प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में भारी बिकवाली से एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति लगभग ?5 लाख करोड़ घट गई। बता दें कि बीएसई-लिस्टेड फर्मों का कुल मार्केट कैप पिछले सेशन के लगभग 443.7 लाख करोड़ रुपये से घटकर लगभग 438.5 लाख करोड़ रुपये हो गया।आज एनएसई पर सेक्टोरल इंडेक्स ताश के पत्तों की तरह गिर गए। इनमें निफ्टी ऑटो इंडेक्स 2 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक और रियल्टी इंडेक्स 1-1 प्रतिशत और निफ्टी मेटल इंडेक्स 0.5 प्रतिशत गिर गया था। शेयरों में इटरनल, हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, श्रीराम फाइनेंस, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, सिप्ला, एमएंडएम, पावर ग्रिड, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, नेस्ले इंडिया, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, एचयूएल, सन फार्मा, टेक एम, अडानी एंटरप्राइजेज और एसबीआई 1 फीसदी से 3.7 फीसदी तक गिर गए थे।

अमेरिकी वायदा बाजार में गिरावट - अमेरिकी बाजारों से जुड़े वायदा बाजार आज नीचे की ओर बढ़ रहे थे। इससे संकेत मिलता है कि आज बाद में वॉल स्ट्रीट पर कमजोर कारोबार हो सकता है। डॉव जोन्स वायदा बाजार में 0.14 प्रतिशत, एसएंडपी500 वायदा बाजार में 0.28 प्रतिशत और नैस्डैक वायदा बाजार में 0.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

1074 टूटने के बाद रिकवर हो रहा यह शेयर, 71 पर भाव, जांच के दायरे में है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड और करीब 18 अन्य संबंधित कंपनियों की जांच जल्द पूरी होने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय चाहता है कि यह जांच अगले तीन से पांच महीने में पूरी हो जाए। इस खबर के बीच जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर को मंगलवार को खरीदने की लूट मच गई। सप्ताह के दूसरे दिन शेयर में 2 फीसदी का अपर सर्किट लगा और भाव 71 रुपये पर आ गया। बता दें कि कंपनी पर तमाम सख्ती की वजह से शेयर लगातार टूट रहा था और 13 मई को 51.84 रुपये तक भाव आ गया था। पिछले साल जून महीने में ही यह शेयर 1,125.75 रुपये के 52 वीक हाई पर था। कहने का मतलब है कि एक साल से भी कम समय में यह शेयर 1,074 रुपये तक टूट चुका है।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय कर रहा जांच - कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि जांच का उद्देश्य हर पहलू पर गौर करना है। अगले तीन से पांच महीने में जेनसोल और करीब 18 अन्य संबंधित कंपनियों की जांच पूरी करने का भी लक्ष्य है।

फ्रेश शेयर वाले IPO को सेबी की हरी झंडी, अमिताभ से शाहरुख तक का है दांव

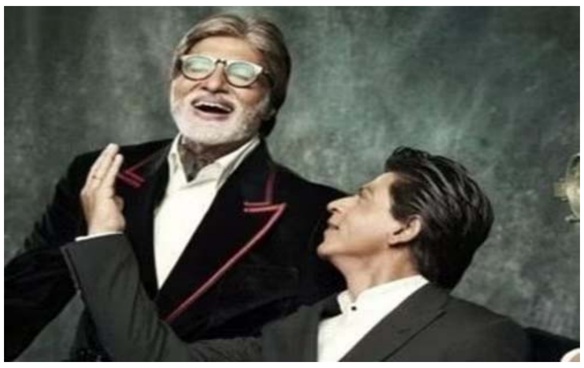

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड सितारों और निवेशक आशीष कचोलिया द्वारा समर्थित रियल एस्टेट डेवलपर श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी का आईपीओ आने वाला है। इस 792 करोड़ के आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंजूरी दे दी है। बता दें कि कंपनी ने 24 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे।

यह आईपीओ शेयरों का बिल्कुल नया इश्यू है, जिसका अंकित मूल्य 1 प्रति शेयर है और इसकी कीमत 792 करोड़ है। इसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर (ओएफएस) नहीं है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार कंपनी की योजना आईपीओ से हुई कमाई में से 550 करोड़ रुपये का उपयोग सहायक कंपनियों रिचफील रियल एस्टेट, ध्यान प्रोजेक्ट्स और त्रिक्षा रियल एस्टेट में निवेश के लिए करने की योजना है। इसके अलावा रकम का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

दिसंबर 2024 में कंपनी ने 150 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 26.61 मिलियन शेयरों के निजी प्लेसमेंट के माध्यम से लगभग 400 करोड़ रुपये जुटाए। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान फैमिली ट्रस्ट और ऋतिक रोशन जैसी बॉलीवुड हस्तियां प्रमुख निवेशकों में से थीं। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया ने भी 50 करोड़ रुपये में 3.3 मिलियन शेयर खरीदे।

एजुकेशन लोन देने वाली कंपनी क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज, यूरो प्रतीक सहित सात कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स, जारो इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च, जेसन्स इंडस्ट्रीज और जेम एरोमैटिक्स के आईपीओ को भी सेबी की मंजूरी मिली है। सेबी को अक्टूबर, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच इन कंपनियों से आईपीओ दस्तावेज मिले थे।

6 पर आ गया 106 वाला यह शेयर, अब खरीदने की मची लूट, एक डील का है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 से कम कीमत वाले पेनी स्टॉक कैसर कॉर्पोरेशन के शेयर में आज मंगलवार को तगड़ी तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर आज 5त तक चढ़कर 6.63 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक डील की खबर है। दरअसल, कैसर कॉर्पोरेशन ने सोमवार 19 मई 2025 को बाजार बंद होने के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज या बीएसई को सूचित किया कि उसकी एक सहायक कंपनी ने एमओयू या समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कैसर कॉर्पोरेशन ने कहा कि कैसर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सहायक कंपनी जिकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और वार्डविजार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी लिमिटेड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

MP में मेडिकल स्टूडेंट्स की कॉपी घर से नहीं जांच पाएंगे मूल्यांकनकर्ता, कॉलेजों में बनेंगे केंद्र

भोपाल। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है।

अब विद्यार्थियों की कॉपियों का मूल्यांकन मूल्यांकनकर्ताओं के घर पर नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बनाए जाने वाले विशेष मूल्यांकन केंद्रों में होगा। कॉपियों को स्कैन कर इन केंद्रों पर ऑनलाइन भेजा जाएगा, जहां प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ता उनकी जांच करेंगे। इस कदम से मूल्यांकन में गड़बड़ी और देरी की शिकायतों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।पारदर्शिता की पहल

पहले घर पर कॉपियों के मूल्यांकन के दौरान यह आशंका रहती थी कि मूल्यांकनकर्ता किसी अन्य व्यक्ति से जांच करा सकते हैं या लापरवाही बरत सकते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे कार्यपरिषद की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

ये केंद्र एमबीबीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, एमडी-एमएस सहित अन्य मेडिकल पाठ्यक्रमों की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए बनाए जाएंगे। प्रत्येक केंद्र में 20 कंप्यूटर लगाए जाएंगे, और सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों की कॉपियां यहीं जांची जाएंगी।समय और गुणवत्ता पर जोर

नई व्यवस्था के तहत परीक्षा के दिन ही कॉपियों को स्कैन कर मूल्यांकन केंद्रों पर भेजा जाएगा। मूल्यांकनकर्ताओं की ड्यूटी पहले से तय होगी, जिससे प्रक्रिया में तेजी आएगी।

इस व्यवस्था से मूल्यांकन समय पर पूरा होगा, और विद्यार्थियों को परिणाम के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पहले परीक्षा और मूल्यांकन में देरी से विद्यार्थियों का एक साल बर्बाद हो जाता था, लेकिन अब यह समस्या हल होने की उम्मीद है।

प्रदेश में बदलेगा सरकारी नौकरी का नियम, साक्षात्कार में बुलाए जाएंगे पदों के तीन गुना ही आवेदक

भोपाल। प्रदेश में अगले तीन वर्ष में ढाई लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां होनी हैं। भर्ती नियम में एकरूपता के लिए सरकार माडल नियम बनाने जा रही है तो साक्षात्कार की व्यवस्था में भी परिवर्तन प्रस्तावित किया गया है। दरअसल, कुछ विभागों में वाक इन इंटरव्यू की व्यवस्था है। इसमें पदों की सीमित संख्या के बाद भी कई गुना अभ्यर्थी बुला लिए जाते हैं।इसके स्थान पर अब राज्य लोक सेवा आयोग जैसी व्यवस्था को अपनाया जाएगा, जिसमें एक पद के विरुद्ध तीन गुना आवेदक बुलाए जाते हैं।

राष्टीय स्वास्थ्य मिशन के साथ विभिन्न विभागों के बैकलाग हों या फिर निशक्तजनों के लिए आरक्षित पदों की भर्ती, इनको भरने के लिए सरकार वाक इन इंटरव्यू करती है।

इसमें भाई-भतीजावाद से लेकर तरह-तरह की शिकायतें होती हैं। पद संख्या कम होने के बाद कई गुना आवेदक बुलाने से अव्यवस्था भी होती है।

इसे देखते हुए तय किया गया है कि वॉक इन इंटरव्यू के स्थान पर राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा अपनाई जाने वाली एक पद के विरुद्ध तीन गुना आवेदक को साक्षात्कार में बुलाने की व्यवस्था अपनाई जाएगी।चूंकि, इसमें मेरिट का पालन होता है, इसलिए पारदर्शिता भी रहेगी।

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जून-जुलाई में भर्ती नियम में संशोधन होगा। साक्षात्कार की नई व्यवस्था का प्रारूप तैयार होगा, जिसे कैबिनेट की मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

खंडवा कब्रिस्तान में महिलाओं के शव से छेड़छाड़, कब्र खुदी मिली, जादू टोने की आशंका

खंडवा । कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ा कब्रिस्तान में तीन महिलाओं की कब्रों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी अभिनव बारंगे, कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

यहां मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि ये तीनों कब्र महिलाओं की थीं, जिन्हें इसी हफ्ते दफनाया गया था। कब्र से भी छेड़छाड़ की गई है। फिलहाल पुलिस कब्रिस्तान के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पहले भी मिले थे अंडा और नींबू

कब्रिस्तान की देखरेख करने वाले लोगों का कहना है कि जादू टोने या तांत्रिक क्रिया के लिए किसी ने किया होगा। कब्रिस्तान में पहले भी कई कब्र के पास अंडा, नींबू और काला जादू करने वाली चीजें मिली है।

सीएसपी अभिनव बारंगे के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के बड़ा कब्रिस्तान में जो शव दफन किया गए थे, उनके साथ छेड़छाड़ की गई है। तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और कब्रों की स्थिति देखी गई है।

इनके परिजनों से भी बातचीत की जा रही है। स्वजन की सहमति के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं। चौकीदार से भी पूछताछ की जा रही है। तीनों शव महिलाओं के थे जिन्हें शुक्रवार को दफनाया गया है।

कब्रिस्तान की देखरेख और खुदाई करने वाले रेहमान अली ने बताया कि कब्रिस्तान में दफन इन महिलाओं के स्वजन दुआ के लिए आए थे, तभी उन्होंने देखा कि कब्र पैर के पास से खुली है और अस्त व्यस्त है। हमने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस कार्रवाई कर रही है। संभव ये किसी जादू टोने का मामला हो सकता है।

मध्य प्रदेश में किसानों की सूझबूझ मालामाल कर रहे सब्जी, तरबूज और खरबूज

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के किसान अब खेती के पारंपरिक तरीकों से हटकर आधुनिक तकनीकों को अपना रहे हैं, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। अनाज और दलहन की पारंपरिक खेती की जगह अब यहां के किसान सब्जियां उगाकर अपनी किस्मत बदल रहे हैं।

यह बदलाव न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधार रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में एक नई दिशा भी दिखा रहा है। जिले के किसान अब धान, अरहर, गेहूं और चना जैसी पारंपरिक फसलों की बजाय औषधीय और उच्च मूल्य वाली फसलों, खासकर सब्जियों और फलों की खेती में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। पढ़िए किसानों की सफलता की कहानीज्कृषि विभाग ने भी की सराहना

पाटन के शहपुरा विकासखंड के नटवारा गांव के किसान शेख रुस्तम ने अपने खेत में स्वीट कॉर्न, मूंग और उड़द जैसी फसलों के साथ-साथ अंतरवर्तीय खेती के तहत लौकी और धनिया की भी बुवाई की है।

उनकी यह मिश्रित खेती की तकनीक उन्हें साल भर आय का एक स्थिर स्रोत प्रदान कर रही है। सुनाचर गांव के यशपाल लोधी का प्रयास भी सराहनीय है। उन्होंने लगभग नौ एकड़ के विशाल क्षेत्र में बैंगन की ग्राफ्टेड किस्म लगाई।

जून 2024 में पौधे रोपित करने के बाद प्रति पौधा औसतन 20 किलो बैंगन का उत्पादन प्राप्त किया। वर्तमान में, लोधी ने अपने बैंगन के पौधों की दोबारा छंटाई की है, और उनमें फिर से फूल आने लगे हैं, जिससे आगे भी अच्छी पैदावार की उम्मीद है। कृषि विज्ञानी डा. शेखर सिंह इस बदलाव को सकारात्मक बताते हुए कहते हैं कि फसलों की विविधता मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह मिट्टी में पोषक तत्वों को बढ़ाती है, जिसका सीधा प्रभाव फसल उत्पादन पर पड़ता है।

उनका मानना है कि किसानों का यह रुझान फसल विविधीकरण और उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर बढ़ना कृषि क्षेत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। कृषि विभाग के उपसंचालक डॉ. एसके निगम ने भी किसानों द्वारा नई तकनीकों को अपनाने की सराहना की है। अच्छी आय देने वाली सब्जी भी लगाई

बेलखेड़ा गांव के किसान विनय बादल भी इस बदलते परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने इस वर्ष अनाज और दलहन की पारंपरिक खेती को छोड़कर सब्जी और फल की खेती को अपनाया है।

बादल ने लगभग ढाई एकड़ में शिमला मिर्च, पांच एकड़ में टमाटर, पांच एकड़ में हरी मिर्च, तीन एकड़ में तरबूज और तीन एकड़ में खरबूज की फसल लगाई है। हालांकि, सब्जियों की खेती में प्रारंभिक लागत, जैसे कि ड्रिप सिंचाई प्रणाली और पौधों को सहारा देने के लिए तार व बांस का उपयोग करने से थोड़ी अधिक आई, लेकिन मिर्च और खरबूजे ने उन्हें मुनाफा दिलाया।

ठेकेदार से ग्राम पंचायत सचिव ने मांगी थी रिश्वत, लोकायुक्त ने 15 हजार रुपए के साथ पकड़ा

अनूपपुर। जिले के बदरा जनपद एवं थाना भालूमाड़ा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भाद सचिव बृजेश तिवारी को रीवा लोकायुक्त ने 15 हजार रिश्वत लेते मंगलवार को ग्राम पंचायत चुकान से पकड़ा है।

ग्राम पंचायत चुकान सचिव बृजेश तिवारी भाद पंचायत के अतिरिक्त प्रभार में भी थे। दुकान पंचायत भवन में रिश्वत ले लेते पकड़े गए सचिव को लोकायुक्त ने कार्यवाही हेतु एसईसीएल भालूमाड़ा गेस्ट हाउस में लेकर आई और कार्यवाही की।

लोकायुक्त रीवा टीम के सदस्य एस राम मरावी निरीक्षक ने बताया कि भाद ग्राम पंचायत उप सरपंच शिवकुमार प्रजापति और मटेरियल सप्लायर राजेंद्र सोनी ने रीवा लोकायुक्त में 16 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव बृजेश तिवारी ने भाद ग्राम पंचायत में पुलिया निर्माण के लिए 20 हजार का रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त ने बनाई योजना रिश्वत की पहली किस्त 5 हजार रुपए सचिव को सोमवार को दी थी। यह राशि मिलने के बाद आरोपी सचिव पूरी तरह से निश्चिंत हो गया था।

विवादों के समाधान हेतु मध्यस्थता प्रक्रिया का चयन करने के लिए सामाजिक जागृति बढ़ाये जाने की आवश्यकताः न्यायाधिपति विवेक रुसिया

इंदौर। विवादों के समाधान हेतु मध्यस्थता प्रक्रिया का चयन करने के लिए सामाजिक जागृति बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। जनमानस में मध्यस्थता से मामले निराकृत कराने की मानसिकता का विकास होगा, तभी मध्यस्थता का लाभ पक्षकारों को प्राप्त हो सकेगा। इस आशय के विचार प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर न्यायाधिपति श्री विवेक रुसिया ने मीडिएशन एंड कंसिलेशन प्रोजेक्ट कमेटी सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में न्यायाधीशों के लिये सोमवार से शुरू हुए 40 घंटे के मीडिएशन ट्रेनिंग कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इसके साथ ही प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री रुसिया ने बताया कि मध्यस्थता प्रक्रिया से मामलों का निराकरण कराना उन्हें रुचिकर लगता है तथा स्वयं भी मध्यस्थता प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं। मध्यस्थता को इंदौर में गति देने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। न्यायाधिपति श्री रुसिया ने कहा कि मध्यस्थता से मामलों का निराकरण करना निर्णय करने की अपेक्षा कठिन है, क्योंकि मध्यस्थता से मामले के निराकरण में दोनों पक्षों की जीत सुनिश्चित करनी होती है। न्यायाधिपति श्री रुसिया ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में आये न्यायाधीश प्रतिभागियों को अपने न्यायालयों में मध्यस्थता प्रक्रिया को प्राथमिकता दिये जाने का सुझाव भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर श्री अजय श्रीवास्तव द्वारा की गयी। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमती नीना खरे ने भी मध्यस्थता प्रक्रिया पर अपने विचार रखें।

इंदौर के होटल वॉव क्रेस्ट में आज 19 मई से 23 मई तक 40 घंटे का यह मीडिएशन ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमसीपीसी सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली के वरिष्ठ मध्यस्थता प्रशिक्षकों श्रीमती नीना खरे तथा श्री राजेश दास द्वारा मध्यस्थता तकनीकी की बारीकियों, मध्यस्थता द्वारा अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया, मध्यस्थता के लिए उपयुक्त प्रकरण आदि विषय पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रुसिया द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर श्री अजय श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर सचिव श्री शिवराज सिंह गवली, जिला रजिस्ट्रार श्री मृणाल मोहित, एमसीपीसी सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली के प्रशिक्षक श्री राजेश दास एवं श्रीमती नीना खरे सहित जिला न्यायालय इंदौर, देवास, सिविल न्यायालय डॉ. अंबेडकर नगर, देपालपुर तथा सांवेर से आये न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सुश्री सौम्या सिंह बघेल तथा आभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दीपक शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

महिला स्वसहायता समूहों को भ्रमण सामग्री 23 मई तक आवश्यक रूप से वितरित हो

इंदौर। प्रदेश में केन्द्र सरकार के एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित होकर अमृत मित्र योजना के अंतर्गत वूमन फॉर ट्री पौध-रोपण अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक चलाया जायेगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने विस्तृत दिशा निर्देश नगरीय निकायों को जारी किये है। यह अभियान अमृत 2.0 योजना एवं डे-एनयूएलएम के कन्वर्जेंस से संचालित किया जा रहा है।

नगरीय निकायों को पौध रोपण का स्थल चयन कर अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों से कहा है कि स्वसहायता समूह की महिलाओं को 21 मई से 23 मई तक पौध रोपण के स्थान की भ्रमण सामग्री आवश्यक रूप से वितरित कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

इसके बाद प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक सफलतापूर्वक पौध रोपण किया जायेगा। अभियान को सफल बनाने के लिये नगरीय निकायों को महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये भी कहा गया है। यह अभियान नारी सशक्तिकरण एवं हरित भारत के निर्माण की दिशा में एक अनूठा प्रयास है। इस अभियान को सामाजिक सहभागिता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ पूरा किया जायेगा। देशभर में यह अभियान केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की मदद से संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय को दी नर किंग कोबरा की सौगात

इंदौर। मां अहिल्याबाई की नगरी इंदौर में आयोजित होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक के लिए पधारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय पहुंच नर किंग कोबरा की सौगात दी और चिड़ियाघर का भ्रमण किया।

नर किंग कोबरा की सौगात और स्नैक पार्क का भ्रमण- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कर्नाटक के पीलीकुला बायोलॉजिकल पार्क से लाए गए नर किंग कोबरा को स्नैक पार्क में छोड़ा। चूंकि इंदौर किंग कोबरा का प्राकृतिक आवास नहीं है, अतः चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा नर किंग कोबरा के लिए बनाए गए आवास की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सराहना की। साथ ही किंग कोबरा की लंबाई और वजन देख कर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांपों के संरक्षण के लिए जोर देते हैं। इसी के तहत किंग कोबरा की ब्रीडिंग हेतु चिड़ियाघर में विशेष फेसिलिटी बनाई गई हैं। अभी तक प्राणी संग्रहालय में मादा किंग कोबरा थी, अब नर किंग कोबरा के आने से प्राकृतिक रूप से ब्रीडिंग हो सकेगी जो इको सिस्टम के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

केन्द्रीय संग्रहालय इंदौर में 5 दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

प्रदर्शनी 22 मई तक दर्शकों के लिये रहेगी निःशुल्क

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल के तत्वावधान में केन्द्रीय संग्रहालय इंदौर में विन्टेज इंदौर की थीम पर छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया की उपस्थिति में रविवार को इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस उपलक्ष्य में पुरातत्व एवं इतिहास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मुद्राशास्त्री डॉ. एस.के. भट्ट एवं श्री गिरीश शर्मा को उपसंचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय श्री प्रकाश परांजपे द्वारा विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुद्राशास्त्री डॉ. मेजर गुप्ता,

इतिहासकार श्री जफर अंसारी, मुद्राशास्त्री श्री शिवम चतुर्वेदी, इतिहासकार डॉ. राजेन्द्र सिंह, टिकिट संग्राहक श्री नीमा डाक, श्री आलोक व श्री निशांत तथा श्री प्रवीण श्रीवास्तव हेरिटेज कंजर्वेटर के साथ श्री दिगम्बर जैन प्रचारिणी समिति इंदौर के सदस्य व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आगंतुकों द्वारा प्रदर्शनी को सराहा गया व साथ ही विभाग द्वारा किये जा रहे आयोजन की भी प्रशंसा की गयी। अपराह्न में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन द्वारा भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रदर्शनी की प्रशंसा की गयी।

पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिमी क्षेत्र इंदौर के उपसंचालक श्री प्रकाश परांजपे ने बताया कि प्रदर्शनी में इंदौर नगर के विन्टेज छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है। उक्त प्रदर्शनी 22 मई तक दर्शकों के लिये निःशुल्क रहेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 31 मई को भोपाल में महिला सम्मेलन को करेंगे संबोधित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 31 मई को भोपाल आगमन प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष के शुभारंभ का प्रतीक यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण और स्वावलम्बन को समर्पित होगा। सम्मेलन में लगभग एक लाख महिलाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है, इसमें भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय भी सहयोग करेगा।

कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का विमोचन भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन ही राज्य शासन का मिशन है। उन्होंने ज्ञान के कल्याण के अंतर्गत गरीब-युवा-किसान और नारी सशक्तिकरण के लिए मिशन आरंभ किए हैं।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सुशासन की मिसाल है :- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देवी अहिल्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, नारी सशक्तिकरण और सुशासन की एक मिसाल है। उनके द्वारा कुशल प्रशासक के रूप में कराए गए जन कल्याण के कार्य आज भी हमें समाज के हर वर्ग के कल्याण की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर के लता मंगेशकर ऑडिटोरियम हाल में विश्व मांगल्य सभा द्वारा पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी अवसर पर राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ इस नाटक को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई होलकर ने कठिन समय में कुशलता के साथ सत्ता का संचालन कैसे किया जाता है, यह करके दिखाया है। उन्होंने सोमनाथ और वाराणसी में मंदिर बनाने के साथ ही नदियों पर घाट बनवाए हैं। रामेश्वरम के मंदिर निर्माण में भी देवी अहिल्या बाई होलकर का योगदान है। उन्होंने मंदिर के साथ ही धर्मशाला, अन्नशाला, घाट निर्माण, पुजारी के मानदेय सबका ध्यान रखा। उन्होंने सहस्त्रबाहु की राजधानी महिष्मती का उद्धार कराया। देवी अहिल्या बाई में एक आदर्श बहु और बेटी का रुप भी दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सम्पूर्ण देश में अहिल्या उत्सव मनाए जाने का मार्ग प्रशस्त किया है और वे स्वयं भी इस कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल पधारने वाले हैं। देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्मजयंती के अवसर पर इंदौर के राजवाड़ा में प्रदेश की कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया है। कैबिनेट की इस बैठक में देवी अहिल्या बाई की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर प्रदेश के विकास के लिए अच्छे निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्या बाई के जीवन के विविध पहलुओं को एक नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक जन सामान्य को देवी अहिल्या बाई के कार्यों और सुशासन से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके द्वारा महेश्वर में इस नाटक का कुछ भाग ही देखा गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन की विकास यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

इंदौर। कैबिनेट बैठक की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजवाड़ा स्थित देवी अहिल्या उद्यान के पास लोकमाता देवी अहिल्या बाई के जीवन दर्शन से प्रेरित राज्य शासन की योजना और कार्यों पर आधारित विकास यात्रा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री जी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद श्री

शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। यह प्रदर्शनी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बनी मंत्रिपरिषद द्वारा वर्ष 2023 से लेकर अब तक लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों और उन पर अमल पर आधारित है। प्रदर्शनी में केन्द्र शासन और राज्य शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। शासकीय सेवा में महिलाओं का आरक्षण, लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, उज्जवला योजना, मुख्यमंत्री विवाह/निकाह सहायता योजना आदि को चित्रों को माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

महापौर ने किया कानीपुरा स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना मल्टी का औचक निरीक्षण, आवंटित मकानों में हितग्राहियों के ना रहने की प्राप्त हो रही थी निरंतर शिकायतें

उज्जैन। कानीपुरा रोड स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर पालिका निगम द्वारा (सुजलाम आवास गृह) मल्टी का निर्माण मध्यम वर्गीय परिवारों के आवासों के लिए किया गया, जिसमें हितग्राहियों को निर्धारित लॉटरी प्रक्रिया के तहत मकानों का आवंटन किया गया था। परंतु कई समय से उक्त मकानों पर हितग्राहियों के ना रहने की शिकायतें प्राप्त हो रही है जिसके क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा मल्टी का औचक निरीक्षण किया गया जहां पाया गया कि जिन पात्र हितग्राहियों को मकान का आवंटन किया गया था वहां पर 20 से 25 की संख्या में मकान पर ताले लगे पाए गए, जिनमें हितग्राही अपने मकानो में शिफ्ट ही नहीं हुए। इस संदर्भ में महापौर द्वारा संबंधित अधिकारी कार्यपालन यंत्री श्री पीसी यादव को निर्देशित किया गया कि जिन हितग्राहियों द्वारा अपने आवंटित मकान पर ताले लगाए गए हैं या शिफ्टी नहीं हुए हैं उन पर वैधानिक जांच करते हुए दिए गए शपथ पत्र के अनुसार उचित कार्यवाही की जाए, उक्त मल्टी ऐसे आवासहीन हितग्राहियों के लिए बनाई गई थी जिनके पास अपना स्वयं का कोई मकान नहीं हैं साथ ही उन्हें यहां मकान का आवंटन किया गया था।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा शहरवासियों से अपील जिन दो मार्गों पर चौड़ीकरण कार्य चल रहा है वहां यातायात डायवर्ट किया गया है शहर विकास में अपना सहयोग प्रदान करें

सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहर के आंतरिक मार्गों का चौड़ीकरण कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है जिसके क्रम में सर्वप्रथम कोयला फाटक से मेट्रो टॉकीज एवं बियाबानी चौराहे से लेकर तेलीवाड़ा चौराहे तक चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है उक्त कार्य को संज्ञान में लेते हुए महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शहर वासियों से अपील की गई है कि उक्त दोनों चौड़ीकरण मार्गों पर मार्किंग किए गए मकानों को हटाने का कार्य चल रहा है इन मार्गों पर सुविधा की दृष्टि से यातायात डायवर्ट किया गया है शहरवासी इन मार्गों पर जाने से बचें एवं नगर निगम द्वारा किए जा रहे चौड़ीकरण कार्य में अपना सहयोग प्रदान करते हुए शहर विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तिलक लगाकर बेटे, बहू ने किया मां का पूजन

उज्जैन। मातृ दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य मां के प्रति सम्मान और प्रेम को प्रदर्शित करना है। दुनिया की हर मां अपने बच्चों के प्रति जीवन भर समर्पित होती है लेकिन उनके प्रति सम्मान प्रकट करना हमारा कर्तव्य है।

मां के प्रति उक्त भाव अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं खंडेलवाल वैश्य पंचायती सभा के अध्यक्ष अशोक खंडेलवाल ने व्यक्त किए। संस्था के सचिव महेश बडेरा ने बताया कि खंडेलवाल मित्र परिषद द्वारा मनोरमा गार्डन के विशाल परिसर में मातृ दिवस का आयोजन किया गया जिसमें समाज की मातृ शक्ति का भारतीय संस्कृति के अनुरूप वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तिलक लगाकर उनके परिजन की उपस्थिति में बेटे, बहू द्वारा पूजन अर्चन कर श्रीफल भेंट किया गया।

सर्वप्रथम माँ वाग्देवी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथि अशोक खंडेलवाल इंदौर, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं खंडेलवाल वैश्य पंचायत के संरक्षक सिधेश्वर दास का स्वागत अध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता, सचिव महेश बडेरा, सत्यनारायण नाटानी, रघुनंदन गुप्ता, गोपाल पाटोदिया, अजय तंबोलिया, अशोक माचीवाल, अनिल गुप्ता, कमेशचंद्र नाटाणी, अजय जसोरिया, रूपेश खंडेलवाल आदि ने किया। स्वागत उदबोधन संस्था अध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा दिया गया। आपने मंच पर उपस्थित अतिथि गण एवं सभागार में विराजित समाज बंधुओं का स्वागत करते हुए मातृ शक्ति को वंदन किया। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए अनिल गुप्ता ने कहा कि आज का दिन विशेष रूप से मां के लिए समर्पित है। साल में एक बार इसे उत्सव की तरह मनाना चाहिए।

आज होगा मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन

उज्जैन। आदर्श वाल्मीकि कल्याण सभा अंतर्गत आदर्श वाल्मीकि महापंचायत उज्जैन द्वारा अध्यक्ष पद को लेकर 1 जून को चुनाव होंगे। चुनाव को लेकर समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर ली गई है। वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आदर्श वाल्मीकि कल्याण सभा उज्जैन के तत्वाधान में 1 जून 2025 को हरियाणा गॉड ब्राह्मण समाज धर्मशाला फाजलपुरा उज्जैन में मतदान पद्धति द्वारा प्रातः 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपन्न कराए जाएंगे। पूर्व में घोषित निर्वाचन तिथि 25 में 2025 के स्थान पर दिनांक 1 जून 2025 का निर्धारण कोर कमेटी के संयोजक बाबूलाल जी नरवाले की अध्यक्षता में किया गया। चुनाव संपन्न करने के लिए कोर कमेटी की बैठक में सर्वानुमति से एडवोकेट हेमंत गिरजे को मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवम कुमारी मंजू पत्रों को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विक्रम विश्वविद्यालय में हुई सेंटर फॉर डिजिटल एजुकेशन द्वारा मूक प्रशिक्षण कार्यशाला

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिजिटल एजुकेशन द्वारा 'दिशा- डिजिटल इनिशिएटिव फॉर स्मार्ट हायर एकेडेमिक एडवांसमेंट' फ्लैगशिप प्रोग्राम के अंतर्गत मूक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना एवं छात्रों को बहुआयामी शिक्षा एवं विकास के अवसर प्रदान करना था।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ और व्यापक रूप से लागू करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि स्वयम, स्वयं-प्लस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के पाठ्यक्रमों को नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में समाहित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेंटर फॉर डिजिटल एजुकेशन के निदेशक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला के समन्वयक डॉ. उमेश कुमार सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए स्वयं और स्वयं-प्लस पाठ्यक्रमों का समावेश गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में सार्थक पहल है। उन्होंने डिजिटल शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे छात्रों के लिए कौशल-आधारित और रोजगारोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रशिक्षण कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं एलएनसीटी, भोपाल के आचार्य डॉ. अमितबोध उपाध्याय ने अपने व्याख्यान में छात्रों के कौशल विकास में एनपीटेल और स्वयं जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये डिजिटल प्लेटफॉर्म न केवल छात्रों के ज्ञान का विस्तार करते हैं, बल्कि उन्हें प्रतिस्पर्धी वातावरण के लिए भी तैयार करते हैं। डॉ. उपाध्याय ने विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन पहलों को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। उन्होंने छात्रों को डिजिटल पाठ्यक्रमों में भाग लेने की प्रक्रिया, उपलब्ध विषयवस्तु, प्रमाणपत्र की महत्ता तथा इससे मिलने वाले करियर लाभों के बारे में सरल और प्रभावी ढंग से समझाया।

पोथियों का ज्ञान, शब्द ज्ञान सरल है, परंतु आत्म ज्ञान अत्यंत कठिन- आचार्य विशुध्दसागरजी

उज्जैन। दुनिया में कौन सी वस्तु सुंदर है और कौन सी वस्तु असुंदर है। न कोई वस्तु सुंदर है, न कोई वस्तु असुंदर है। जिस वस्तु या व्यक्ति से हमारी राग की पुष्टि होती है वह हमें प्रिय लगती है और जिससे हमारे राग की पूर्ति नहीं होती है वह हमें अप्रिय लगती है। गर्मी के समय सूर्य का ताप अच्छा नहीं लगता वहीं सर्दी में सूर्य का ताप अच्छा लगता है। जब किसी से काम होता है तो वह प्रिय लगता है और काम निकल जाने पर उपेक्षा करते हैं। वस्तु न सुंदर है न असुंदर है। वस्तु तो जो है सो है।

यह बात दिगंबर जैन धर्मगुरू आचार्य विशुध्दसागरजी गुरूदेव ने धर्मसभा में धर्मोपदेश देते हुए कही। प्रदीप झांझरी के अनुसार 20 मई को आचार्यश्री ने ऋषि नगर में धर्मसभा में कहा कि पोथियों का ज्ञान, शब्द ज्ञान सरल है, परंतु आत्म ज्ञान अत्यंत कठिन है। शब्द ज्ञान करोड़ों को होता है, परंतु आत्मज्ञानी अल्प हैं। भावों के साथ किया गया धर्म ही श्रेष्ठ होता है। भावों से शून्य किया गया धर्म निष्फल है। सच्चा आत्मज्ञानी जगत् के संपूर्ण प्रपंचों से अत्यंत दूर ही रहता है। आत्मज्ञानी एकमात्र आत्महित का ही कार्य करते हैं। आत्मज्ञानी आत्म कल्याण का ही कार्य करते हैं। शब्द ज्ञान से नहीं, आत्म ज्ञान से ही आत्मकल्याण संभव है।

बीतने वाली घड़ी को कौन लौटा पाएगा-पल-पल आयु घट रही है। जैसे जैसे समय व्यतीत हो रहा है वैसे वैसे आयु भी क्षीण हो रही है। ''बीतने वाली घड़ी को कौन लौटा पायेगा। इस धरा का इस धरा पर सब धरा रह जायेगा।'' आयु पूर्ण होने पर मृत्यु निश्चित है। आयु क्षीण होने पर सब यहीं छूट जाता है। जो जो कमा कर रखा है, वह कुछ भी साथ जाने वाला नहीं है। मृत्यु के समीप आने पर तंत्र, मंत्र, औषधी कुछ भी काम नहीं आता है। तंत्र-मंत्र, औषधी उन्हीं को ठीक कर सकते हैं जिनकी आयु शेष है।

गौण मुख्यता को समझो-जहां जिसकी प्रधानता होती है, जो बलिष्ट होता है, उसकी वहां मुख्यता होती है, शेष की गौणता होती है। जो गौणता व मुख्यता को समझ लेता है, वह उपेक्षा होने पर भी शांत रहता है।

धर्म ही शरण-धर्म ही मंगल है, धर्म ही उत्तम है, धर्म ही शरण है। जिसका कोई नहीं होता, उसके लिए धर्म ही शरण होता है। प्राणी मात्र के लिए धर्म शरण होता है। धर्म से बढ़कर अन्य कोई शरण नहीं होता है। धर्म के फल से संपूर्ण सुख प्राप्त होते हैं।

उज्जयिनी वीरांगना मंच ने निकाली 'सिंदूर शौर्य यात्रा'

उज्जैन। भारतीय सशस्त्र सेनाओं की पाकिस्तान के खिलाफ अभूतपूर्व ऐतिहासिक महाविजय के उपलक्ष्य में उज्जयिनी वीरांगना मंच द्वारा 'सिंदूर शौर्य यात्रा' का आयोजन किया गया।

दोपहिया वाहन रैली में उज्जैन के विभिन्न समाजों सहित 45 संगठनों की बहनों ने भागीदारी की। क्षीरसागर मैदान से प्रारंभ हुई रैली में रिटायर्ड कर्नल राजकुमार सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा पहलगाम हमले का बदला जिस शौर्य और पराक्रम पूर्ण तरीके से ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा लिया गया उस पर पूरे देश को गर्व है। शत्रु के घर में घुसकर उसे मात दी। आपने भारत पाकिस्तान युध्द व आतंकवाद के बारे में जानकारी दी। राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत कविता कवि राहुलजी ने सुनाई। पश्चात कर्नल चौहान, संयोजिका सीमा वैद्य एवं सहसंयोजिका संध्या सोलंकी द्वारा तिरंगा लहराकर रैली का शुभारंभ किया गया। संचालन प्रीति तेलंग ने किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com